>

Title: Alleged acquisition of agricultural land by the Gujarat State Government for the benefit of certain N.G.Os.

श्री जगदीश ठाकोर (पाटन): माननीय सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे गुजरात राज्य के एक महत्वपूर्ण विषय को शून्य काल में उठाने की इजाजत दी। कृषि और पशुपालन हमारे देश के विकास की धरोहर हैं। हमने हरित क्रांति में काफी अच्छा विकास किया है। हमारे देश में भूमिहीन किसानों और खेत मजदूरों को खेती लायक जमीन मिले, इसके लिए राज्य सरकार और भारत सरकार ने काफी कायदे-कानून बनाये हैं। लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि गुजरात राज्य में सरकार के बड़े नेताओं, अधिकारियों और पूंजीपतियों की सांठ-गांठ से विकास के नाम पर हजारों एकड़ कृषि योग्य भूमि सरकार के संबंधित एनजीओ या पूंजीपतियों को दी जा रही है। सरकार चंद लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए भूमि अधिग्रहण करके एनजीओ को चोर दरवाजे से कृषि योग्य भूमि देने की साजिश कर रही है।

सभापति महोदय, जो किसान आजादी पूर्व से इन जमीनों पर खेती करते चले जा रहे हैं, उन परिवारों को वहां से उजाड़ने की साजिश चल रही है। इससे हजारों परिवारों को अपनी आजीविका से हाथ धोना पड़ रहा है। वह अपना तथा अपने परिवार का जीवन-यापन किस प्रकार से करेंगे, यह उनके लिए चिन्ता का विषय हुआ है।

सभापति महोदय, मेरे निर्वाचन क्षेत्र पाटन के कुंवर, चन्दूर, सुबापुरा, तारानगर के अतिरिक्त सांतलपुर, राधनपुर ताल्लुका के कई गांवों की हजारों एकड़ जमीन, जिन पर किसान आजादी से पहले खेती करता था, प्राइवेट एनजीओ या कम्पनियों को दी जा रही है। किसानों को कृषि योग्य भूमि छोड़कर जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इस क्षेत्र में बहुत आक्रोश और तनाव की स्थिति बनी हुई है। अभी कुछ दिन पूर्व पांच हजार किसानों की रैली हुई। किसानों को अपने परिवार के लालन-पालन, शिक्षा और रोजगार की चिन्ता सता रही है। इस क्षेत्र के लोगों में बहुत आक्रोश है, जिससे वहां कानून व्यवस्था की समस्या खड़ी हो सकती है। लोग लाठी-गोली खाने को तैयार हैं, किन्तु आजादी से पहले की अपनी खेती की जमीन को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। गुजरात सरकार इन किसानों को न तो विकल्प में रोजगार दे रही है और न ही खेती के लिए भूमि दे रही है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार और सदन से कहना चाहता हूं कि उक्त

विषय पर समय रहते अगर कोई उचित कार्रवाई नहीं की गयी, तो जन-आक्रोश भड़क सकता है, जिससे गुजरात जैसे प्रगतिशील और शांत प्रदेश में भी देश के अन्य राज्यों जैसे तनाव और हिंसा पैदा हो सकती है, यह बात मैं आपके द्वारा कहना चाहता हूं।